

तारीख  
हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशयल्स जज

6-624

पत्रावली केस डुर वकील प्राणी उपस्थित विपक्षीगण के सम्मन बाद तामिल होकर प्राप्त हुए जिसे शाक क किया गये। विपक्षीगण को वित्ती बार कक-रुके कर आवाजे दिलायी जाने के बाद भी उपस्थित नहीं, इनके विरुद्ध एक तरफा कार्यवाही दिये जाने का अडिग दिया जाता है वकील प्राणी का प्रा-पत्र स्वीकार किया जाकर निर्णय प्रथम से लिखा जाकर शाक क किया गया। पत्रावली फंसल शुमार होकर नम्बर से रुम हो।

उपखण्ड जजिरी  
मंडल जिला भीलवाड़ा



न्यायालय उपखण्ड अधिकारी माण्डल जिला भीलवाड़ा

पीठासीन अधिकारी- मनोज, आर.ए.एस.

मुकदमा संख्या - 203/23 ग्रा 43

1- श्री श्यामलाल S/O श्री नन्दा कलारि निवासी- आलमारा तह गाडल

प्राथ

बनाम

2- श्री रामचन्द्र S/O श्री सुला कुमावत निवासी- आलमारा तह गाडल (वगैरा)  
(घातंकित 9-7) (सलम)

- विपक्षीय

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111-128 रा.भू.रा.अधि. 1956

दिनांक:- 06.06.24

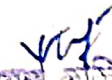
::आदेश::

प्राथी की ओर से एक प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111-128 रा.भू.रा.अधि. 1956 के तहत प्रस्तुत कर निवेदन किया कि  
म...**आलमारा**.....पटवार हल्का.....**आलमारा**.....तहसील माण्डल में उसके खाते /संयुक्त खाते की  
आराजी नं० **घातंकित पिकले पट्ट पर** कुल कित्ता.....**1.0**.....रकबा.....**3.0729**.....हेक्टेयर स्थित है। वादग्रस्त भूमि  
विपक्षीयण के मध्य आराजी मुतदायिवा के सीमा चिन्ह नहीं होने से आये दिन सीमा संबंधी विवाद उत्पन्न होता  
जाता है। जिसमें प्राथी अपने खाते/संयुक्त खाते की भूमि की पत्थरगढी के आदेश प्रदान कराये जावें।


प्रस्तुत प्रार्थना पत्र इस न्यायालय में दिनांक **29.12.23** को पंजीबद्ध किया जाकर प्रकरण को  
प्रलोकनार्थ से यह बात सिद्ध है कि वादग्रस्त भूमि प्राथी एवं कब्जे काशत काशत की होने से पत्थरगढी कराने का  
अधिकारी है। वैसे भी इस प्रकार के आदेश से अधिकारी निर्धारित किये जाते है। अतः इन तथ्यों को देखते हुए  
न्यायिक की न्यायिक सिद्धान्त के आधार पत्र स्वीकार योग्य है।

::आदेश::

प्राथी का प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111-128 रा.भू.रा.अधि. 1956 का स्वीकार किया जाकर प्राथी **आत्म्याव** पटवार  
का...**आलमारा**.....तहसील माण्डल में उसके खाते/संयुक्त खाते की आराजी नं० **घातंकित पिकले पट्ट पर 8'अं**  
ज कित्ता.....**1.0**.....रकबा.....**3.0729** हेक्टेयर भूमि के चारों तरफ सीमा की पुख्ता जानकारी किये  
जाने हेतु पत्थरगढी किये जाने का आदेश दिया जाता है। पत्थरगढी किये जाने हेतु भू-अभिलेख निरीक्षक **आत्म्याव**  
.....**1500**.....रुपये/- कमिश्नर फीस पर कमिश्नर फीस जमा होने पर पक्षकरान् की मौजूदगी में मौके व कब्जे  
यथास्थिति को बनाये रखते हुए गुरंतकील बिन्दु को आधार मानकर पत्थरगढी की जावें। फसल खड़ी होने पर  
पत्थरगढी नहीं की जावें।

  
उपखण्ड अधिकारी  
माण्डल भीलवाड़ा

लिपि:- तहसीलदार माण्डल को भेजाकर लेख है कि प्राथी द्वारा राशि जमा कराने पर नियमानुसार पत्थरगढी की  
जाकर पालना रिपोर्ट 07 दिवस में प्रस्तुत करें।

  
उपखण्ड अधिकारी  
माण्डल भीलवाड़ा